भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**राज्य सभा**

लिखित प्रश्न सं. 2542

गुरूवार, 24 मार्च, 2022/3 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**उत्तर प्रदेश में कोविड-19 महामारी के बाद पर्यटन का पुनरुद्धार किया जाना**

**2542. श्री संजय सेठः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में विश्व पर्यटन दिवस मनाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या विगत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण विदेशी और घरेलू पर्यटन में गिरावट आई है; और

(ग) यदि हां, तो देश में, विशेषकर उत्तर प्रदेश में विदेशी और घरेलू पर्यटन के पुनरुद्धार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क): जी, हाँ महोदय। पर्यटन मंत्रालय द्वारा 27 सितम्बर, 2021 को विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया है। इस वर्ष विश्व पर्यटन दिवस का थीम ''समावेशी प्रगति के लिए पर्यटन'' था। विश्व पर्यटन दिवस समुदायों के बीच पर्यटन के महत्व और इसके सामाजिक, संस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक मूल्यों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लक्ष्य तथा उद्देश्य के साथ मनाया जाता है।

विश्व पर्यटन दिवस, 2021 के उपलक्ष्य में मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यकलाप निम्नलिखित है:-

- विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर ''समावेशी प्रगति के लिए पर्यटन'' विषय पर दिनाँक 27 सितम्बर, 2021 को संगोष्ठी।
- नजफगढ़, दिल्ली में ''प्रेम धाम आश्रम'' अनाथालय के 25 वंचित बच्चों के लिए दिल्ली दर्शन यात्रा।
- अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता कार्यक्रम के सम्बन्ध में दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, एक बस्तर जिले के होमस्टे मालिकों के लिए और दूसरी जगदलपुर में युवाओं के लिए।
- पर्यटन अध्ययन विभाग, सेंट्रल युनिवर्सिटी ऑफ केरल के सहयोग से ''लीव नो वन बिहाइंड: टूरिज्म्स रोल इन इन्क्लूसिव रिकवरी'' शीर्षक से ऑनलाइन उद्योग जगत- छात्र इंटरफेस के साथ 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया।

(ख): महामारी के कारण देश में विदेशी पर्यटक आगमन और घरेलू पर्यटक आगमन में गिरावट दर्ज की गई जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

| क्र.सं. | विदेशी (एफटीए) | घरेलू (डीटीवी) |
|---|---|---|
| 2019 | | |
| 1 | 10.93 मिलियन | 2321.98 मिलियन |
| 2020 | | |
| 2 | 2.74 मिलियन | 610.21 मिलियन |
| 2021 | | |
| 3 | 1.41 मिलियन (अनंतिम) | |

(ग): पर्यटन मंत्रालय घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में देश के प्रत्येक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों सहित भारत का संवर्धन एक सम्पूर्ण पर्यटन गंतव्य के रूप में करता है। इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश सहित देश में विदेशी और घरेलू पर्यटन के संवर्धन/बहाली के लिए निम्नलिखित पहलें कि हैं:-

- पर्यटन मंत्रालय ने देश में आवास इकाइयों के पंजीकरण के लिए "द नेशनल इंटीग्रेटेड डाटावेस ऑफ हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री (एनआईडीएचआई)" पोर्टल की शुरूआत की है।
- पर्यटन मंत्रालय ने सिस्टम 6 फॉर असेसमेंट, अवेयरनेस एंड ट्रेनिंग फॉर हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री (एसएएटीएचआई) की शुरूआत की है जिसका लक्ष्य कोविड के सम्बन्ध में उद्योग जगत को जानकारी देना और कर्मचारियों तथा अतिथियों के बीच विश्वास पैदा करना है।
- विदेशी बाजारों में पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत के संवर्धन और घरेलू पर्यटन के संवर्धन हेतु बाजार विकास सहायता (एमडीए) दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया है ताकि अधिक संख्या में पर्यटन हितधारकों को लाभ देने के लिए इन दिशा-निर्देशों के दायरे तथा पहुँच में विस्तार किया जा सके।
- पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश पहल की शुरूआत की थी जिसके तहत मंत्रालय हितधारकों के साथ जुड़े रहने और नागरिकों को अपने देश की यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वेबिनारों, प्रश्नोत्तरी, शपथ, विचार-विमर्श, रोड़ शोज का आयोजन करता रहा है। देखो अपना देश ब्रांड लाइन की शुरूआत से अब तक मंत्रालय द्वारा इसके तहत 100 से अधिक वेबिनार आयोजित किए जा चुके हैं।
- पर्यटन मंत्रालय ने संवेदीकरण, सामाजिक दूरी, सुरक्षित एवं जिम्मेदार यात्रा, यात्रा करते समय मास्क के उपयोग, आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने, उद्योग जगत के लिए की गई पहलों के संवर्धन हेतु अपने संदेशों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने सोशल मीडिया हैंडल्स का प्रभावशाली ढंग से उपयोग किया है।
- पर्यटन मंत्रालय तथा क्षेत्रीय कार्यालय पर्यटन क्षेत्र को खोले जाने सम्बन्धी मुद्दों पर यात्रा उद्योग और अन्य हितधारकों के साथ नियमित रूप से संवाद कर रहे हैं।
- पर्यटन मंत्रालय ने आईआरसीटीसी के सहयोग से दिनांक 4 से 8 अक्टूबर, 2021 को बोधगया और वाराणसी में बौद्ध परिपथ एफएएम टूर तथा सम्मेलन का आयोजन किया।
- पर्यटन मंत्रालय ने कुशीनगर में 'टूरिज्म इन बुद्धिस्ट सर्किट्स- ए वे फॉरवर्ड' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें बौद्ध परिपथ और दुनियाभर के बौद्ध तीर्थयात्रियों तथा विद्वानों को आकर्षित करने की उनकी क्षमता को दर्शाया गया।

*******